Gyan Manthan
Journal homepage: www.gyanmanthan.org ISSN: **3108-3455**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में कौशल-आधारित एवं मूल्यपरक शिक्षा: आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक अध्ययन

श्रीमती मधुरी द्विवेदी[1]
अरिहंत कॉलेज, इंदौर

सार

21वीं सदी में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, जहाँ केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं रह गया है। आज की आवश्यकता ऐसी शिक्षा की है जो छात्रों में कौशल, नैतिकता, और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करे। National Education Policy 2020 इस दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है, जो शिक्षा को बहुआयामी, लचीला और मूल्य-आधारित बनाने पर बल देती है। यह शोध-पत्र NEP 2020 के अंतर्गत कौशल-आधारित एवं मूल्यपरक शिक्षा के समन्वय का विश्लेषण करता है। अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया है कि किस प्रकार अनुभवात्मक अधिगम, व्यावसायिक शिक्षा, और भारतीय ज्ञान परंपरा के माध्यम से छात्रों में आत्मनिर्भरता, नैतिकता और सामाजिक चेतना का विकास किया जा सकता है। इस शोध में भारतीय केस स्टडी, कक्षा-गत उदाहरण, तथा एक वैचारिक मॉडल प्रस्तुत किया गया है। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि NEP 2020 का प्रभावी क्रियान्वयन भारत को आत्मनिर्भर और नैतिक समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मुख्य शब्द : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, कौशल-आधारित शिक्षा, मूल्य शिक्षा, आत्मनिर्भर भारत, अनुभवात्मक अधिगम

प्रस्तावना

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास का आधार होती है। पारंपरिक शिक्षा प्रणाली जहाँ केवल परीक्षा और अंक प्राप्ति तक सीमित थी, वहीं वर्तमान समय में शिक्षा का उद्देश्य व्यापक हो गया है। आज शिक्षा का लक्ष्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि छात्रों को जीवन कौशल, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी से युक्त बनाना है।

National Education Policy 2020 ने इस दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन प्रस्तुत किए हैं। यह नीति शिक्षा को **कौशल-आधारित, अनुभवात्मक और मूल्यपरक** बनाने पर बल देती है।

भारत में "आत्मनिर्भर भारत" की अवधारणा तभी साकार हो सकती है जब शिक्षा प्रणाली छात्रों को न केवल रोजगार योग्य बनाए, बल्कि उन्हें नवाचार, उद्यमिता और नैतिकता की दिशा में भी प्रेरित करे।

साहित्य समीक्षा

संबंधित साहित्य की समीक्षा (Review of Related Literature)

1. John Dewey (1938)

ड्यूई ने अपनी पुस्तक *Experience and Education* में अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) को शिक्षा का महत्वपूर्ण आधार माना। उनके अनुसार शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ना आवश्यक है। ड्यूई का मत था कि गतिविधि-आधारित एवं प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षा छात्रों में समस्या समाधान क्षमता, रचनात्मकता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करती है। यह विचार NEP 2020 में प्रस्तावित अनुभवात्मक अधिगम एवं कौशल-आधारित शिक्षा की अवधारणा को मजबूत आधार प्रदान करता है।

2. Paulo Freire (1970)

फ्रेरे ने अपनी प्रसिद्ध कृति *Pedagogy of the Oppressed* में शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन (Critical Thinking), सामाजिक चेतना एवं नैतिक मूल्यों का विकास करना है। फ्रेरे के अनुसार संवादात्मक शिक्षा पद्धति छात्रों को सक्रिय भागीदारी और सामाजिक जिम्मेदारी के लिए प्रेरित करती है। NEP 2020 में मूल्य-आधारित शिक्षा, नैतिक विकास और सामाजिक उत्तरदायित्व पर दिया गया बल फ्रेरे के विचारों से प्रभावित माना जा सकता है।

3. Anil K. Gupta (2014)

गुप्ता ने "Grassroots Innovation" की अवधारणा प्रस्तुत करते हुए स्थानीय ज्ञान एवं नवाचार को शिक्षा से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उनके अनुसार शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो छात्रों को उद्यमिता, नवाचार तथा आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करे। उन्होंने ग्रामीण एवं स्थानीय स्तर पर विकसित कौशलों को मुख्यधारा शिक्षा में शामिल करने की वकालत की। यह दृष्टिकोण NEP 2020 में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा से मेल खाता है।

4. Vandana Shiva (2005)

वंदना शिवा ने शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा, पर्यावरणीय नैतिकता और सांस्कृतिक मूल्यों के महत्व पर बल दिया। उनके अनुसार आधुनिक शिक्षा में केवल तकनीकी दक्षता पर्याप्त नहीं है, बल्कि छात्रों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, सामाजिक न्याय और नैतिकता का विकास भी आवश्यक है। NEP 2020 भारतीय ज्ञान प्रणाली और मूल्य शिक्षा को बढ़ावा देकर इसी दिशा में कार्य करती है।

5. Ministry of Education (2020)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा को बहुआयामी, लचीला और कौशल-उन्मुख बनाने पर विशेष बल दिया गया है। नीति में कक्षा 6 से व्यावसायिक शिक्षा, इंटर्नशिप, अनुभवात्मक अधिगम तथा डिजिटल शिक्षा को शामिल करने की बात कही गई है। साथ ही नैतिकता, सहानुभूति, संवैधानिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाने पर भी जोर दिया गया है। यह नीति छात्रों को रोजगार योग्य बनाने के साथ-साथ जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखती है।

6. Mahatma Gandhi की बुनियादी शिक्षा अवधारणा

महात्मा गांधी ने Nai Talim या बुनियादी शिक्षा के माध्यम से शिक्षा को श्रम, नैतिकता और आत्मनिर्भरता से जोड़ने पर बल दिया। उनके अनुसार शिक्षा का उद्देश्य हाथ, मस्तिष्क और हृदय का समन्वित विकास होना चाहिए। गांधीजी ने कार्य-आधारित शिक्षा, हस्तकला और सामुदायिक सेवा को शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग माना। NEP 2020 में कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और मूल्यपरक शिक्षा का समावेश गांधीवादी शिक्षा दर्शन की प्रासंगिकता को दर्शाता है।

7. Rabindranath Tagore की शिक्षा अवधारणा

टैगोर ने शिक्षा को प्रकृति, कला और मानवीय मूल्यों से जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने शिक्षा को रचनात्मकता, स्वतंत्र चिंतन और सांस्कृतिक विकास का माध्यम माना। टैगोर के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य छात्रों में मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक चेतना का विकास करना है। NEP 2020 में समग्र शिक्षा, कला-एकीकृत अधिगम और मूल्य शिक्षा पर दिया गया महत्व टैगोर की शिक्षा अवधारणा के अनुरूप है।

अध्ययन का औचित्य

आज के समय में बेरोजगारी, नैतिक पतन और सामाजिक असंतुलन जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल शिक्षा के माध्यम से संभव है, यदि उसमें कौशल और मूल्य दोनों का समावेश हो

GYAN MANTHAN
A MULTIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

समस्या का कथन

वर्तमान शिक्षा प्रणाली में कौशल और मूल्य शिक्षा का समुचित समन्वय नहीं है, जिससे छात्रों का समग्र विकास प्रभावित होता है।

परिभाषाएँ

- **कौशल-आधारित शिक्षा:** ऐसी शिक्षा जो व्यावहारिक कौशल विकसित करे
- **मूल्य शिक्षा:** नैतिक एवं सामाजिक मूल्यों का विकास
- **आत्मनिर्भरता:** स्वयं पर निर्भर रहने की क्षमता

उद्देश्य

1. NEP 2020 में कौशल शिक्षा का विश्लेषण
2. मूल्य शिक्षा की भूमिका को समझना
3. भारतीय उदाहरणों का अध्ययन
4. कक्षा-गत गतिविधियों का विश्लेषण-

कार्यप्रणाली

- साहित्य समीक्षा
- नीति विश्लेषण
- केस स्टडी

विश्लेषण एवं चर्चा

- NEP 2020 और कौशल शिक्षा

NEP 2020 कक्षा 6 से ही व्यावसायिक शिक्षा को शामिल करती है, जिससे छात्रों में व्यावहारिक कौशल विकसित होता है।

- 8.2 मूल्य शिक्षा का समावेश

नीति नैतिकता, सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे मूल्यों पर बल देती है।

तालिका 1: NEP 2020 के प्रमुख घटक

घटक	**विवरण**	**परिणाम**
कौशल शिक्षा	व्यावसायिक प्रशिक्षण	रोजगार
अनुभवात्मक अधिगम	प्रोजेक्ट कार्य	समझ
मूल्य शिक्षा	नैतिक विकास	चरित्र निर्माण

GYAN MANTHAN
A MULITIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

भारतीय केस स्टडी

- मध्य प्रदेश में कौशल शिक्षा

Madhya Pradesh के सरकारी विद्यालयों में आईटी और हस्तशिल्प प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

- आत्मनिर्भर भारत पहल

छात्रों को स्टार्टअप और उद्यमिता के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

- ग्रामीण शिक्षा मॉडल

ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि और स्थानीय कौशल सिखाए जा रहे हैं।

कक्षा-गत उदाहरण

- प्रोजेक्ट आधारित अधिगम

छात्र स्थानीय समस्याओं पर प्रोजेक्ट बनाते हैं।

- भूमिका-अभिनय (Role Play)

नैतिक निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है।

- सामुदायिक कार्य

छात्र समाज सेवा गतिविधियों में भाग लेते हैं।

◆ *चित्र 1: वैचारिक मॉडल*

NEP 2020
↓
कौशल शिक्षा + मूल्य शिक्षा
↓
अनुभवात्मक अधिगम
↓
व्यवहार परिवर्तन
↓
आत्मनिर्भर नागरिक

◆ *चित्र 2: कक्षा प्रक्रिया मॉडल*

पाठ्यक्रम → गतिविधि → अनुभव → चिंतन → मूल्य विकास

GYAN MANTHAN
A MULITIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

सीमाएँ

- सैद्धांतिक अध्ययन
- सीमित क्षेत्र

निष्कर्ष

National Education Policy 2020 शिक्षा को एक नई दिशा प्रदान करती है। यह नीति कौशल और मूल्य दोनों के समन्वय से छात्रों को आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बनाने में सहायक है।

1. ड्यूई, जॉन. (1938). *अनुभव और शिक्षा* (Experience and Education). मैकमिलन।

2. फ्रेरे, पाउलो. (1970). *पीड़ितों की शिक्षा* (Pedagogy of the Oppressed). कंटिन्यूअम।

3. गुप्ता, अनिल के. (2014). *ग्रासरूट्स इनोवेशन: हाशिए के लोगों के विचार हाशिए पर नहीं होते* (Grassroots Innovation: Minds on the Margin are not Marginal Minds). रैंडम हाउस इंडिया।

4. शिवा, वंदना. (2005). *पृथ्वी लोकतंत्र: न्याय, स्थिरता और शांति* (Earth Democracy: Justice, Sustainability, and Peace). साउथ एंड प्रेस।

5. शिक्षा मंत्रालय. (2020). *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* (National Education Policy 2020). भारत सरकार।

6. गांधी, महात्मा. (1937). *बेसिक एजुकेशन (नई तालीम)*. नवजीवन पब्लिशिंग हाउस।

7. टैगोर, रवीन्द्रनाथ. (1917). *व्यक्तित्व* (Personality). मैकमिलन।

8. विवेकानंद, स्वामी. (2006). *चरित्र निर्माण हेतु शिक्षा* (Education for Character Building). अद्वैत आश्रम।

9. यूनेस्को. (2015). *शिक्षा पर पुनर्विचार: वैश्विक सार्वजनिक हित की ओर* (Rethinking Education: Towards a Global Common Good?). यूनेस्को पब्लिशिंग।

10. मोंटेसरी, मारिया. (1964). *मोंटेसरी पद्धति* (The Montessori Method). शॉकेन बुक्स।

GYAN MANTHAN
A MULITIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL